डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज

– वाराणसी –

परास्नातक पाठ्यक्रम

एम.ए. भाग - 2 (तृतीय सत्र)

-: हिन्दी विभाग :-

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

1. ज्ंउपस ीपजलं नत दोतपज रू ;ंकी छंदकंदए ठपींत तैजतं ठींं उपजपए च्ंजदं
2 . ।ठ॰ व ज्ंउपसए च्तप छपसंलंउए डंकतं.1
3 .ज्ंउपस ब्नसजनतम वित त्मेवनतबमे बीववस त्मेजेंअम दक ।पअमतए ब्लंदपस ठववा
4. ज्ंउपस ीपजलं ां ण्जपपी इल त्नजंदं व्उंदकंजंउ

एम0 ए0 (हिंदी) द्वितीय वर्ष
नवाँ प्रश्नपत्र
आदिकालीन काव्य एवं निर्गुण काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4 ग 10 =	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4 ग 5 =	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10 ग 1 =	10
			70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. पृथ्वीराज रासो : चंदबरदाई : (सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) शशिव्रता विवाह– आरंभ से 30 छंद
2. कीर्तिलता : विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह) केवल द्वितीय पल्लव
3. पदावली : विद्यापति (शिवप्रसाद सिंह) 20 पद (पद सं. 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10,16, 36, 51, 54, 63,68,79,81, 82, 94, 95, 102)
4. कबीर ग्रंथावली (सं. श्यामसुंदर दास)– साखी : विरह कौ अंग, कस्तुरिया मृग कौ अंग 20 पद (सं. 2, 3, 11, 18, 24, 39, 40, 41, 44, 51, 55, 59, 67, 69, 72, 92, 165,180, 186,249)
5. जायसी ग्रंथावली (सं0 रामचन्द्र शुक्ल)– सिंघलद्वीप वर्णन

अनुशंसित ग्रंथ :

1. पृथ्वीराज रासो की भाषा – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारीप्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
3. कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. कीर्तिलता और विद्यापति का युग – अवधेश प्रधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
6. जायसी – विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
7. सूफी मत : साधना और साहित्य – रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी
8. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति – श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
9. नाथपंथ और संत साहित्य – नागेन्द्रनाथ उपाध्याय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
10. संत साहित्य – राधेश्याम दुबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. चंदबरदाई – शांता सिंह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
12. जायसी – सं0 सदानंद शाही, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

13. कबीर की खोज – राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. पूरा कबीर –सं. बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
15. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – डॉ. शंभुनाथ पाण्डेय
16. कबीर–वाड्.मय : रमैनी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
17. कबीर–वाड्.मय : सबद – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
18. कबीर–वाड्.मय : साखी – डॉ. जयदेव सिंह तथा डॉ. वासुदेव सिंह
19. गोरखनाथ : नाथ सम्प्रदाय के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. नागेन्दनाथ उपाध्याय
20. हिन्दी सन्त काव्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. वासुदेव सिंह
21. मध्ययुगीन काव्य साधना – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
22. बौद्ध कापालिक साधना और साहित्य – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
23. साहित्यिक निबंध –डॉ. त्रिभुवन सिंह, डॉ. विजयबहादुर सिंह
24. रैदास परिचई – डॉ. शुकदेव सिंह
25. कबीर और भारतीय संत साहित्य – आचार्य रामचन्द्र तिवारी
26. भये कबीर कबीर – डॉ. शुकदेव सिंह

दसवाँ प्रश्नपत्र
सगुण भक्ति काव्य

समय : तीन घंटे

चार आलोचनात्मक प्रश्न	–	4	ग' 10	=	40
चार सप्रसंग व्याख्या	–	4	'ग 5	=	20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	'ग 1	=	10
					70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1. भ्रमरगीत सार : सूरदास (सं. रामचन्द्र शुक्ल)– (7, 8, 23, 25, 34, 38, 41, 42, 52, 62, 64, 75, 83, 85, 89, 92, 95, 100, 101, 102, 103, 105, 111, 121, 171)
2. रामचरित मानस : तुलसीदास (गीता प्रेस संस्करण)– बाल कांड (दोहा 35 से 43), अयोध्याकांड (दोहा 252 से 269)
   कवितावली (गीता प्रेस संस्करण) : उत्तरकांड (सं. 39, 40, 47, 57, 69, 70, 71,72, 82, 83, 84, 85, 96, 97, 98, 99, 106, 107, 171, 174) (20)
3. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली (15 पद– मण थैं परस हरि रे चरण, तनक हरि, आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्या री, म्हांरा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग राँची, मैं गिरधर के घर जाऊं, माई री म्हॉ लियां गोविदाँ मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ, थें मत बरजां माइरी, नहिं सुख भावै थारो देसलड़ों रंगरूड़ों, राणाजी म्हाने या बदनामी लागै मीठी, पग बांध घूँघर्‌या णाच्यारी, राणाजी थे जहर दिया म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हो।

4 रसखान : (रसखान रचनावली –सं. विद्यानिवास मिश्र) 11, 17, 23, 24, 30, 32, 37, 59, 74, 75, 81, 103, 107, 116, 135

अनुशंसित ग्रंथ :

1 सूरदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2 महाकवि सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली
3 सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई
4 गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5 गोसाईं तुलसीदास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
6 तुलसी आधुनिक वातायन से –रमेश कुंतल मेघ, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7 परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
8 भक्तिकाव्य और लोक जीवन – शिवकुमार मिश्र, दिल्ली
9 भक्तिकाव्य की भूमिका – प्रेमशंकर, नई दिल्ली
10 लोवादी तुलसीदास– विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11 भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद – राधेश्याम दुबे, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
12 मीराबाई – श्रीकृष्णलाल, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी।
13 मीरा : एक पुनर्मूल्यांकन –सं. पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला
14 तुलसी : एक पुनर्मूल्यांकन –सं. अजय तिवारी, आधार प्रकाशन, पंचकूला
15 रसखान – श्यामसुन्दर व्यास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली
16 मध्ययुगीन काव्य साधना – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र
भारतीय काव्यशास्त्र

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	10	×		40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	5	×		20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	×	1	=	10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

1.1 काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय।
1.2 काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन
2 रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
3 ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धान्त का महत्व।
4 अलंकार सिद्धांत – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धांत एवं अन्य सम्प्रदाय।
5 रीति सिद्धांत – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
6.1 वक्रोक्ति सिद्धांत– वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व।
6.2 औचित्य सिद्धांत – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व।

अनुशंसित ग्रंथ

1 भारतीय साहित्यशास्त्र – गणेश–त्र्यंबक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना।
2 रसमीमांसा – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3 संस्कृत आलोचना – बलदेव उपाध्याय
4 रस प्रक्रिया – शंकरदेव अवतरे, दिल्ली
5 हिस्ट्री ऑफ संस्कृत पोएटिक्स – पी0 बी0 काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6 काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7 भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8 ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत – भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी
9 काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10 भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11 भारतीय काव्यशास्त्र की आचार्य–परम्परा – डॉ. राधाबल्लभ त्रिपाठी
12 ध्वन्यालोकः – आचार्य चण्डिका प्रसाद शुक्ल

बारहवाँ प्रश्नपत्र
आधुनिक भारतीय साहित्य

समय : तीन घंटे

चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	10	= 40
चार लघु उत्तरीय प्रश्न	–	4	×	5	= 20
दस अति लघु उत्तरीय प्रश्न	–	10	×	1	= 10

70 (पूर्णांक)

पाठ्यांश :

(सभी मूल से हिन्दी में अनूदित कृतियां ही पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं। इनसे व्याख्याएं नहीं पूछी जाएगीं।)

उपन्यास :

1. गोरा : रवीन्द्रनाथ टैगोर
2. उदास नस्लें : अब्दुल्ला हुसैन
3. मछुआरे : तकषी शिवशंकर पिल्लै (मलयालम)
4. संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति (कन्नड़)

नाटक :

हयबदन : गिरीश कर्नाड (कन्नड़)

कविता :

1. रवीन्द्रनाथ टैगोर : अभिसार, धूलि मंदिर, भारत तीर्थ, मुक्ति
2. पाश : मैं अब विदा लेता हूँ मेरी माँ की आँखें, सबसे खतरनाक, धर्म दीक्षा के लिए विन्नयपत्र

3. वरवर राव : एक हाथ और दूसरा हाथ, तुम्हारे लिए मेरा ख़ामोशी में एक मौलिक संशोधन, अम्मा, आवाज़

4. फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ : सुब्हे आजादी, मुझसे पहली सी मुहब्बत मिरे महबूब न माँग, शाम, याद।

अनुशंसित ग्रंथ :

1 इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेन्डेन्स : सं. के. एस. आर. आयंगर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
2 कंपरेटिव लिटरेचर : नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3 भारतीय साहित्य : नगेन्द्र, साहित्य सदन, चिरगांव, झाँसी
4 भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी
5 भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
6 संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर, उदयाचल, पटना
7 मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली
8 आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ नखणे, राजकमल, दिल्ली